BA Part - I
Stone age का शेष भाग

डॉ० अनुजा कुमारी
History, SNSRKS

पूर्व - पाषाण युग (Old stone age)

प्रागैतिहासिक काल में प्रथम चरण को विद्वानों ने पुरापाषाण या पूर्व पाषाण काल नाम से संबोधित किया है। ऐसा माना जाता है कि मानव का अधिकांश समय (जीवन) इसी काल में बीता है। लगभग चालीस हजार वर्ष। अन्वेषणों से पता चलता है कि इस युग में रोडेशियन का केशल त्रिनिल, पिल्ट डाउन, हिडलबर्ग आदि मानव रहते थे। इस युग के अवशेष जर्मनी, इंग्लैंड, फ्रांस, भारत, जावा आदि देशों में प्राप्त हुआ है। आदि मानव पशुओं सा जीवन व्यतीत करते थे। वे बर्बर, हिंसक एवं भुक्कड़ थे। अपने मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति ही उनके जीवन का एक मात्र उद्देश्य था और इसके लिए वे आपस में निरंतर संघर्षरत रहते थे।

भोजन — पुरा पाषाण युग के आदि मानव पूरी तरह से प्रकृति पर निर्भर था। चाहे वह कंद-मूल हो या जानवर का शिकार। वे लोग जंगलों के कन्द-मूल खाकर अथवा पशुओं का शिकार कर अपना पेट भरते थे।

वस्त्र एवं आवास —

पूर्व पाषाण युग में प्रारंभ मानव पूर्णतः निर्वस्त्र रहते होंगे। लेकिन कालान्तर में उन्होंने अपनी विवेक शक्ति का उपयोग कर वृक्ष के छाल, पशुओं की खाल, पेड़ों के पत्तों से अपने शरीर को ढककर अथवा झाड़ियों

डॉ० अनुपमा कुमारी
History, SNSRKS

एवं गुफाओं में छुप-छिपकर प्रतिकूल मौसम से अपने शरीर की रक्षा करते थे।

इस प्रकार उन्होंने अपने भोजन वस्त्र और आवास की पूर्ति की।

औजार का आविष्कार :— जानवरों के शिकार करते और हिंसक जानवरों से स्वयं की रक्षा करने के लिए उन्हें औजार की आवश्यकता महसूस होने लगी। अतः उन्होंने लकड़ी, पत्थर एवं हड्डियों के हथियार बनाने शुरू किये। तीर-धनुष का प्रयोग करना भी लोगों ने सीखा। इतना ही नहीं कालान्तर में पुरा-पाषाण युगीन मानवों ने बढ़ईगिरी की कला भी विकसित की। रस्सी बाटने तथा टोकरियाँ बनाने की कला भी सम्भवतः प्रचलित हो गई थी। इस प्रकार मनुष्य सतत विकास करते हुए हथियार और औजार का प्रयोग करना आरम्भ कर दिया।

कृषि का आविष्कार — पुरा पाषाण युग में आदि मानव पेट की ज्वाला को शांत करने के लिए जंगली कंद-मूल की खोज में यहाँ-वहाँ भटकते थे। साथ ही पशुओं के शिकार करने के काम में उन्हें जान जोखिम में भी डालना पड़ता था। पुरा पाषाण युग के कृषि कार्य से पूर्णतः अनभिज्ञ थे। नव पाषाण युग में मानव ने कृषि का आविष्कार कर मानव जाति को अमूल्य भेंट प्रदान किया।

डॉ० अनुजा कुमारी
History, SNSRKS

आवश्यकता के अनुसार ही मानव कृषि कार्य की खोज की। अतः इसे हम मानव जाति की पहली क्रांति भी कह सकते हैं। वैसे यह खोज अभी तक रहस्य ही बना हुआ है इसके लिए केवल अनुमान ही लगाया जा सकता है। कृषि के क्षेत्र में उन्होंने सर्वप्रथम गेहूँ और जौ उपजाना शुरू किया। उसके बाद अन्य कंद-मूल, फल और सब्जियाँ उपजाना आरंभ किया। कृषि के आविष्कार के बाद उन मानवों का घुमक्कड़ जीवन समाप्त हो गया वे किसी निश्चित भू-भाग पर स्थायी रूप से रहने लगे। उनके जीवन में स्थिरता आ गयी। कृषि ने आदि मानव के जीवन में जानवरों के पीछे भागने के बजाय उन्हें स्थायित्व प्रदान किया।

पशु पालन — कृषि कार्य हेतु और रक्षा हेतु उन्हें जानवरों की "आवश्यकता महसूस हुई। अतः वे गाय, बैल, बकरी, सूअर, भैंस आदि जानवर पालने लगे। इससे उन्हें कृषि कार्य के साथ-साथ मांस और दूध भी मिल जाता था। सम्भवतः उन्होंने सबसे पहले कुत्ते को अपना पालतू पशु बनाया।

उद्योग-धंधे — अब उनके भटकने के दिन समाप्त हो गये थे। वे स्थायी जीवन और कृषि कार्य में समय व्यतीत कर रहे थे। बचे खाली समय में वे कुछ अन्य व्यवसाय में वक्त बिताने लगे। नव पाषाण युग में चाक के आविष्कार ने मानव जीवन को एक अलग ही गति प्रदान की। वे उस चाक पर मिट्टी के बर्तन और उपयोगी वस्तु बनाने लगे।

Scanned with CamScanner

डॉ० अनुजा कुमारी
History, SNSRKS

चाक ने यातायात के साधन का विकास किया। जिससे बैलगाड़ी और घोड़ा-गाड़ी का विकास हुआ। इसके बाद वस्त्र का निर्माण प्रारंभ हुआ। कपास से सूत और भेड़ से ऊन की प्राप्ति होने लगी।

वस्त्रों की कताई - बुनाई के लिए करघे और चरखे का प्रयोग शुरू हुआ। मछली पकड़ने के लिए जाल बनाये जाने लगे। इन सभी चीजों के विकास से मानव ज्यादा सम्पन्न होने लगा। उनमें इसे एकत्र करने की भावना आने लगी। जो भविष्य में सम्पत्ति संग्रह की भावना को और प्रगाढ़ किया।

<u>हथियार</u> —— पूर्व पाषाण युग में मनुष्यों द्वारा शिकार करने और हिंसक पशुओं से अपनी रक्षा करने के लिए पत्थरों एवं हड्डियों के खुरदुरे एवं बेडौल हथियार का निर्माण किये थे, किन्तु नव - पाषाण युग में हथियारों के निर्माण के उद्देश्य एवं स्वरूप पूर्णतः बदल गये। कृषि कार्य लिए पत्थरों के हल, कुदाल, एवं खुर्पी बनाये गये। फसल काटने के लिए हसिया का निर्माण शुरू किया गया। और अनाजों को पीसने के लिए चाक्की का प्रयोग शुरू हुआ। बाद में वर्मा और छेनी द्वारा निर्मित हथियार सुन्दर एवं सुदृढ़ होते थे।

शेष अगले भाग में →

Scanned with CamScanner